तीव्र पुरुषार्थ - 21

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ बापदादा आज दो की गिनती ही सुना रहे हैं। दो कर्तव्य बताओ। सारे दिन में डबल कर्त्तव्य आपका चलता रहता है। मुख्य कर्तव्य है ही विनाश और स्थापना का। कुछ विनाश करना है और कुछ रचना रचनी है। रचना सभी प्रकार की रचते हो। एक तो सर्विस द्वारा अपनी राजधानी की रचना कर रहे हो और दूसरी करनी है।

➳ _ ➳ **<u>बुद्धि में शुद्ध संकल्पों की रचना और व्यर्थ संकल्पों वा विकल्पों के विनाश की विधि भी आप लोग समझ गये हो।</u>** रचना मनसा द्वारा भी और वाणी द्वारा भी; दोनों प्रकार की रचना रचते हो। इसी प्रकार डबल कर्त्तव्य करते हो। इसी कार्य में सारा दिन बिजी रहें तो बताओ एकरस स्थिति नहीं हो सकती? एकरस स्थिति नहीं रहती, उसका कारण रचना रचने नहीं आती वा विनाश करना नहीं आता। दोनों कर्त्तव्य में कमी होने कारण एकरस स्थिति ठहर नहीं सकती।

(20/08/1971)

➢➢ अमृतवेला

➳ _ ➳ सुबह 2 बजे उठ जाओ

➳ _ ➳ शांति / सन्नाटा

→ जैसे साकार लोक परमधाम बन जाता है

➳ _ ➳ First Class Time

➳ _ ➳ अशरीरी बनना सहज

➳ _ ➳ इसका असर सारा दिन रहता है

➳ _ ➳ अमृतवेला के समय याद सहज और पक्की होती है

➳ _ ➳ Mind / Body Fresh होता है इस समय

→ कोई थकावट नहीं होती

➢➢ शुद्ध संकल्पों की रचना कैसे करें ?

➳ _ ➳ **P**urity

→ ब्रह्मचर्य परम आवशयक है

→ **पवित्रता जितना ज्यादा होगी, शुद्ध संकल्प स्वतः ही आयेंगे / आपकी और आकर्षित होगी**

→ **गुरुकुल में विधार्थी ब्रह्मचर्य में पड़ते हैं**

➳ _ ➳ USE VISUALISATION

→ POSITIVE SCENES को VISUALISE करें

➳ _ ➳ READING

→ शक्तिशाली साहित्य पड़ें

→ पड़ते पड़ते अनुभव भी कीजिये

➳ _ ➳ EXPLORE

➳ _ ➳ THINK POSITIVE THOUGHTS

➳ _ ➳ HABBIT

➳ _ ➳ OPPORTUNITY

→ जीवन की हर परिस्थिति एक अवसर शुद्ध संकल्पों की रचना करने का

➳ _ ➳ USE POSITIVE PURE WORDS

→ शब्दों में अभूतपूर्व ऊर्जा होती है

➳ _ ➳ GIVE SAKASH

→ जो दोगे, वो लौटकर आएगा

➳ _ ➳ HYPNOSISS

→ स्वयं का सम्मोहन करो

➳ _ ➳ TIME

→ समय चुराना होगा

➳ _ ➳ SWAMAAN

→ ढेर सारे स्वमानो का हमारे पास स्टॉक हना चाहिए